प्रभात
छिपाएंगे नहीं, छापेंगे
facebook-Subharti Tv Twitter-Subharti Tv
www.subhartimedia.com लखनऊ, मंगलवार, 08 अक्टूबर 2019, मूल्य : 2.00, पृष्ठ : 12 उत्तर प्रदेश–उत्तराखंड से प्रकाशित
सुभारती मीडिया परिवार की ओर से विजयदशमी की हार्दिक शुभकामनाएं

भारतीय परम्परा का महत्वपूर्ण त्योहार दशहरा कैसे मनायें

प्रो.भरत राज सिंह
महानिदेशक
(तकनीकी)
एमएसएम, लखनऊ

लखनऊ। विजयदशमी का त्योहार नवरात्रि के पश्चात प्रत्येक वर्ष आश्वनी शुक्ल पक्ष के दशमी को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस मास में एक महीने से रामायण का प्रवचन जगह.जगह होता रहता है और राजा दशरथजी के पुत्रों के जन्म व शिक्षा.दीक्षा से लेकर विवाह राज्य तिलक वन.गमन रावणवध व अयोध्या वापस आकर अयोध्या राज्य में दिवाली मनाना व राज्याभिषेख और लव.कुश कांड तक का वृतांत लोगों द्वारा नाटक के रूप मे प्रदर्शित किया जाता है। विजय.दशमी त्योहार का विशेष महत्व इसलिये होता है क्योंकि राम.लक्षमण व उनकी बानर सेना रावण को हराकर व उसका बधकर अयोध्या नगरी में वापस आये और नगरवासी हर्षोल्लास से अधर्म पर धर्म की विजय का जश्न मनाया। आज भी इसी के परिचायक के रूप में भारत का प्रत्येक व्यक्ति इस पर्व को उल्लास से मनाता है जिसमें रावण.वध के प्रदर्शन हेतु बड़े.बड़े रावण के पुतले बनाकर उसे पटाको व क्रैकर्स से जलाया जाता है और लोग आनंदित होते हैं।

हम इसे पारम्परिक दृष्टिकोण से देखें तो यह लोगों में संदेश देने के लिये बहुत अच्छा है परंतु आज जब पूरी दुनिया पर्यावरण के प्रदूषण से उत्पन्न जलवायु.परिवर्तन की विभीषिका से जूझ रही है तो इसमें और अधिक प्रदूषण पैदा करना तर्क.संगत नही है बल्कि मानवता के खिलाफ है।

आइये इस त्यौहार को और अच्छे से मनायें और मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जी के आदर्शों को तहे दिल से अपनायें जिन्होंने मानवता के खातिर राज्य का त्याग कर असुरों को धरती से समाप्त करने व जग के समस्त जन.जीवों को अच्छाई के सूत्र में बांधने का कार्य किया।